खेलत श्याम मातु सुख पावत

खेलत श्याम मातु सुख पावत

खेलत श्याम मातु सुख पावत,
तनु पीत झगुलिया कमर करधनी,
मुनि मन मोहत हियँ हर्षावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-----

तुतलात कछु बोलत मधुरी,
गिरत परत उठि किलकत धावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत--------

बीच अधर दुई दंतुल सोहत,
लुढ़कत ठुमकत नूपुर बजावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-------

मातु हरषि सिसु लेत बलैया,
गोंद उठाई उर कंठ लगावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत ------

जो सुख सुर मुनि सपनेहुँ दुर्लभ,
सोई सुख मैया यशोमति पावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-----।।

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/8425/title/khelat-shyam-maatu-sukh-pawat-tenu-peet-jhguliyan-kamar-kardhni

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |